No. of Printed Pages : 5

MHD-11

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2020

एम. एच. डी.-11 : हिन्दी कहानी

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : (*i*) **प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) शेष में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

---

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : $10 \times 2 = 20$

(क) एक तो पीठ में गुदगुदी लग रही है। दूसरे रह-रहकर चम्पा का फूल खिल जाता है उसकी

गाड़ी में। बैलों को डाँटो तो 'इस-बिस' करने लगती है उसकी सवारी। ..... उसकी सवारी! औरत अकेली, तम्बाकू बेचने वाली बूढ़ी नहीं! आवाज सुनने के बाद वह बार-बार मुड़कर टप्पर में एक नज़र डाल देता है; अँगोछे से पीठ झाड़ता है।..... भगवान जाने क्या लिखा है इस बार उसकी किस्मत में! गाड़ी जब पूरब की ओर मुड़ी, एक टुकड़ा चाँदनी उसकी गाड़ी में समा गयी। सवारी की नाक पर एक जुगनू जगमगा उठा। हिरामन को सब कुछ रहस्यमय-अजगुत-अजुगत लग रहा है। सामने चम्पानगर से सिंधिया गाँव तक फैला हुआ मैदान!..... कहीं डाकिन-पिशाचिन तो नहीं?

(ख) नल के इर्द-गिर्द घिरे हुए सभी कामगारों के थके उदास चेहरे पर भी उसकी बातें सुनकर हँसी

खिल गयी। घासी ने ही फिर बात को स्पष्ट किया—"ये भाई भी अभी हाथ नाक पे ले जाके सूँघ रहे थे, तभी किस्सा याद आया। पहले-पहल हम भी ऐसे ही सूँघा करें थे। पर अब तो ससुरा पता नहीं लगता। किसी बार तो साबुन नहीं मिलता, ऐसे ही पोंछ-पाँछ के रोटी खाने बैठ जाते हैं।"

(ग) गली में खबर इस तरह फैली थी कि गली के बाहर एक मुसलमान खड़ा है जो रामदासी के लड़के को उठाने जा रहा था। उसकी बहन वक्त पर उसे पकड़ लायी, नहीं तो वह मुसलमान उसे ले गया होता। यह खबर मिलते ही जो स्त्रियाँ गली में पीढ़े बिछाकर बैठी थीं वे पीढ़े उठाकर घरों के अन्दर चली गयीं। गली में खेलते बच्चों को भी उन्होंने पुकार-पुकारकर घरों के अन्दर

बुला लिया। मनोरी गनी को लेकर गली में दाखिल हुआ, तो गली में सिर्फ एक फेरीवाला रहा गया था, यह रक्खा पहलवान जो कुएँ पर उगे पीपल के नीचे बिखरकर सोया था। हाँ, घरों की खिड़कियों में से और किबाड़ों के पीछे से कई चेहरे गली में झाँक रहे थे।

(घ) मालती को रोता हुआ देख उसे खराब जरूर लगा, मगर वह इस बात को समझ रही थी कि इसमें मालती की ही गलती है, "जब हमें पता है कि हम अछूत दूसरों के कुएँ से पानी नहीं ले सकते तो फिर वहाँ जाना ही क्यों?" वह बकरीवाली कैसे चिल्ला रही थी, "ओरी बाई, दौड़ो री, जा मोड़ी को समझाओ..... देखो तो, मना करने के बाद भी कुएँ से पानी भर रही है। हमारी रस्सी-बाल्टी खराब कर दई जाने.....।"

2. 'तीसरी कसम' कहानी के आधार पर 'नयी कहानी' की ग्राम-संवेदना को स्पष्ट कीजिए। 10

3. 'राजा निरबंसिया' कहानी की अंतर्वस्तु का विश्लेषण कीजिए। 10

4. 'यही सच है' कहानी का प्रतिपाद्य रेखांकित कीजिए। 10

5. कहानीकार के रूप में रवीन्द्र कालिया के महत्व पर प्रकाश डालिए। 10

6. 'तलाश' कहानी की विशेषताएँ बताइए। 10

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$2 \times 5 = 10$

(क) अमरकांत की कहानियों का महत्व

(ख) 'हंसा' का व्यक्तित्व

(ग) 'ड्राइंग रूम' कहानी का जीवन-दर्शन

(घ) अकहानी